INDIAN SCHOOL SOHAR

Set-2

FORMATIVE ASSESSMENT- 1 (2014-15)

विषयः हिंदी (पाठ्यक्रम - ब)

कक्षा ः IX **समय ः 40 मिनट**

दिनांक ः 05- 05 - 2014 **पूर्णांक ः 20**

निर्देश : 1 इस प्रश्न पत्र में कुल 7 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2 प्रश्न का उत्तर लिखने से पहले उसका क्रमांक अवश्य लिखा जाए।

प्रश्न 1- अपठित गद्यांश

मानवीय गुणों को धारण करके ही मानव ,मनुष्य कहलाने का अधिकारी होता है। मनुष्य -मात्र को बंधु मानकर उसके सुख- दुख का समभागी बनने वाला ही मनुष्य कहला सकता है। मानव - शरीर के भीतर यदि दानवी अथवा पाशविक वृत्तियाँ पलती हैं तो मनुष्य होकर भी वह दानव या पशु -तुल्य समझा जाएगा। अपने ही जीवन को सुखी समृद्ध बनाने की चेष्टा में लगा हुआ व्यक्ति सद्गुण - संपन्न होने पर भी लोकप्रियता अर्जित नहीं कर सकता। उसे पूर्ण मानव भी नहीं कहा जा सकता। सच्चा मनुष्य तो वह सद्गुणी व्यक्ति है जो स्वजनों के साथ-साथ समस्त मनुष्य जाति के कल्याणार्थ प्रयत्न करता है। अपनी अपेक्षा वह औरों की चिंता अधिक करता है। दूसरों की भलाई के लिए वह सहर्ष आत्मबलिदान कर देता है। ऐसा व्यक्ति उस नदी के समान होता है जिसके जल का पान कर असंख्य प्राणियों के जीवन की रक्षा होती है। सच्चा मानव दूसरों की विपत्ति में उनकी यथाशक्ति सहायता करता है, भले ही इन कार्यों में उसे स्वयं कष्ट झेलने पड़े तथा क्षति उठानी पड़े।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए-

क) किस मनुष्य को मनुष्य नहीं माना जा सकता ? (1)

ख) किसे पशु -तुल्य समझा जाता है ? (1)

ग) अपनी अपेक्षा दूसरों की चिंता करने वाला किसकी तरह होता है ? (1)

घ) प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। (1)

प्रश्न **2-** नीचे दिए गए शब्दों का वर्ण - विच्छेद कीजिए - (2)

जिज्ञासु , निरीक्षण

प्रश्न **3-** वर्ण - संधि कीजिए - (2)

(क) स् + व् + आ + स् + थ् + य् + अ
(ख) श् + र् + अ + व् + अ + ण् + अ

प्रश्न **4** – रैदास के पदों के आधार पर भक्त और भगवान का तुलनात्मक रूप स्पष्ट कीजिए। (**3**)

प्रश्न **5** - ' रैदास की भक्ति दास्य भाव की है ' - सिद्ध कीजिए। (**3**)

प्रश्न **6** - 'गिल्लू का लेखिका के प्रति लगाव बहुत अधिक था' - इस कथन को आप कैसे स्पष्ट कर सकते हैं। (**3**)

प्रश्न **7** – 'गिल्लू' पाठ के आधार पर कौए को एक साथ समादरित और अनादरित प्राणी क्यों कहा गया है ? (**3**)

----------0----------